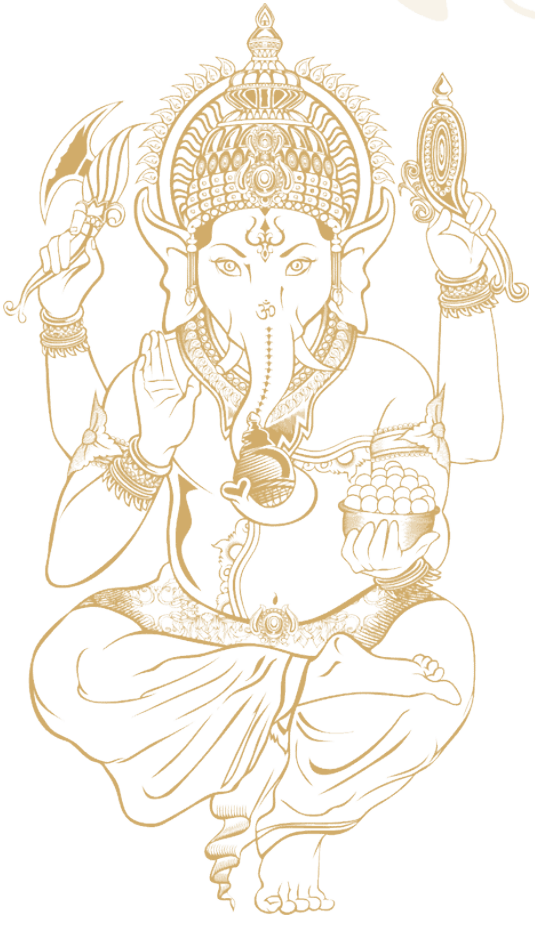

Mr.kanhiya keshari

04 Sep 2025

02:21 AM

Motihari

Model: web-freekundliweb

Order No: 120846404

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**3-04/09/2025**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**02:21:00 घंटे**
इष्ट	52:05:26 घटी
स्थान	**Motihari**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:40:00 उत्तर
रेखांश	84:55:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:30:40 घंटे
वेलान्तर	00:00:38 घंटे
साम्पातिक काल	01:23:37 घंटे
सूर्योदय	05:30:49 घंटे
सूर्यास्त	18:07:58 घंटे
दिनमान	12:37:09 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:23:24 सिंह
लग्न के अंश	05:13:14 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**उत्तराषाढ़ा - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	सौभाग्य
करण	विष्टि
गण	मनुष्य
योनि	नकुल
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भे-भैरवी
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	05:13:14	310:12:27	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	---
सूर्य			सिंह	17:23:24	00:58:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	28:23:12	12:52:34	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	सम राशि
मंगल			कन्या	23:33:48	00:39:08	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	08:18:04	01:55:43	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	मित्र राशि
गुरु			मिथु	24:09:52	00:10:31	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कर्क	16:47:29	01:12:15	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	05:36:17	00:04:17	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	24:08:38	00:00:36	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	24:08:38	00:00:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	07:14:40	00:00:07	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मीन	07:04:19	00:01:32	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो	व		मक	07:30:34	00:01:00	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
दशम भाव			मीन	28:23:17	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:01

लग्न-चलित

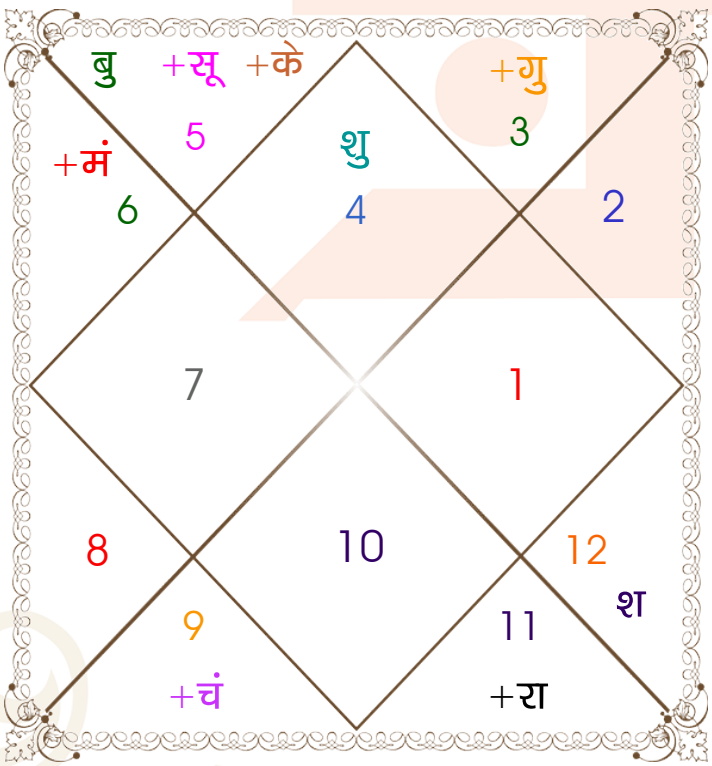

चन्द्र कुंडली

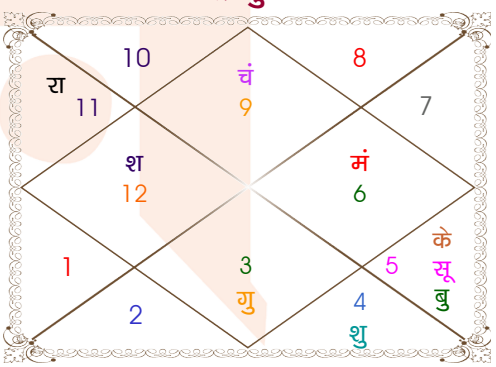

नवमांश कुंडली

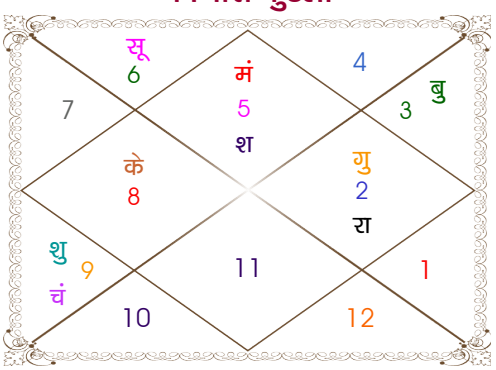

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 2 मास 21 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
04/09/2025		25/11/2030		25/11/2040		26/11/2047		25/11/2065	
25/11/2030		25/11/2040		26/11/2047		25/11/2065		25/11/2081	
	04/09/2025	चंद्र	26/09/2031	मंगल	23/04/2041	राहु	08/08/2050	गुरु	13/01/2068
चंद्र	13/09/2025	मंगल	26/04/2032	राहु	12/05/2042	गुरु	31/12/2052	शनि	27/07/2070
मंगल	19/01/2026	राहु	26/10/2033	गुरु	17/04/2043	शनि	07/11/2055	बुध	01/11/2072
राहु	14/12/2026	गुरु	25/02/2035	शनि	26/05/2044	बुध	27/05/2058	केतु	07/10/2073
गुरु	02/10/2027	शनि	25/09/2036	बुध	23/05/2045	केतु	14/06/2059	शुक्र	07/06/2076
शनि	13/09/2028	बुध	24/02/2038	केतु	20/10/2045	शुक्र	14/06/2062	सूर्य	27/03/2077
बुध	20/07/2029	केतु	26/09/2038	शुक्र	20/12/2046	सूर्य	09/05/2063	चंद्र	27/07/2078
केतु	25/11/2029	शुक्र	26/05/2040	सूर्य	27/04/2047	चंद्र	07/11/2064	मंगल	03/07/2079
शुक्र	25/11/2030	सूर्य	25/11/2040	चंद्र	26/11/2047	मंगल	25/11/2065	राहु	25/11/2081

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
25/11/2081		26/11/2100		26/11/2117		26/11/2124		26/11/2144	
26/11/2100		26/11/2117		26/11/2124		26/11/2144		00/00/0000	
शनि	28/11/2084	बुध	25/04/2103	केतु	24/04/2118	शुक्र	27/03/2128	सूर्य	15/03/2145
बुध	08/08/2087	केतु	21/04/2104	शुक्र	24/06/2119	सूर्य	28/03/2129	चंद्र	05/09/2145
केतु	16/09/2088	शुक्र	20/02/2107	सूर्य	30/10/2119	चंद्र	26/11/2130		00/00/0000
शुक्र	16/11/2091	सूर्य	27/12/2107	चंद्र	30/05/2120	मंगल	27/01/2132		00/00/0000
सूर्य	28/10/2092	चंद्र	28/05/2109	मंगल	26/10/2120	राहु	26/01/2135		00/00/0000
चंद्र	30/05/2094	मंगल	25/05/2110	राहु	14/11/2121	गुरु	26/09/2137		00/00/0000
मंगल	09/07/2095	राहु	11/12/2112	गुरु	21/10/2122	शनि	26/11/2140		00/00/0000
राहु	15/05/2098	गुरु	19/03/2115	शनि	30/11/2123	बुध	27/09/2143		00/00/0000
गुरु	26/11/2100	शनि	26/11/2117	बुध	26/11/2124	केतु	26/11/2144		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 2 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का ही द्रेष्काण उदित था। जिससे यह संकेत मिलता है कि आप संतुलित ढंग से स्वस्थ्य रहकर, आनन्ददायक सुव्यवस्थित एवं उत्तम पारिवारिक जीवन बिताएंगी। आप विद्वान एवं सामाजिक प्रभाव से आदरणीय समझी जाएंगी। आप सुखद एवं मधुरतम जलीय यात्रा करेंगी। आप के जीवन के 36 वें वर्ष से सुन्दर और भाग्यशाली मार्ग प्रशस्त होंगे।

आपमें यह गुण विद्यमान है कि आप अपनी आवश्यकताओं को नियंत्रित रख कर उपयोगिता को पसन्द करती हैं। आप विश्वासपूर्ण भावनाओं से विभिन्न प्रकार से अन्य लोगों की सहायता करोगी। आप धर्मशास्त्र एवं दर्शनशास्त्र का अध्ययन करेंगी तथा भगवान के प्रति समर्पित आस्थावान होंगी। आपको धर्मस्थलों तीर्थों का भ्रमण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा एवं परोपकारी सेवक बन कर सामाजिक कार्य करेंगी। आप दुर्भावनाओं को त्यागकर, धन संचय करने की महत्त्वकांक्षा से प्रेरित रहेंगे। यह संभव है कि आप सभी प्रकार से परिवारिक सदस्यों की सुख सुविधा की व्यवस्था करेंगी।

आप शारीरिक रूप से लम्बी, उन्नत ललाट एवं सुस्पष्ट आँखों से युक्त होंगी। आपकी मनोवृत्ति क्षमतानुसार एवं अवस्थानुसार अग्रसर होगी। आप उन्नति के लिए एक कड़ी के साथ-साथ दूसरी कड़ी भी प्रारम्भ कर सकती हैं।

आपमें ऐसा गुण एवं सामंजस्य विद्यमान है कि आप जन-सामान्य की भावना को तथा परिस्थितियों को विधिवत समझ कर उचित सामंजस्य कर देती हो। परन्तु आप बहुत अधीर हो जाती हो। परिणाम स्वरूप आपका स्वभाव विकृत होकर, हानिप्रद प्रमाणित हो जाता है। यह आवेग क्षणिक है, तथापि शीघ्रतापूर्वक शान्त होकर तेजी से समान्य मनोवृत्ति ग्रहण कर लेती हैं।

आप धनोपार्जन हेतु कुछ विभिन्न प्रकार की पद्धति एवं उपायों का अनुसरण कर लेती हैं। यह सुनिश्चित है कि सतत आप में अन्तर्वाही चतुरता विद्यमान रहेगी।

आपको अपने रोमांचित जीवन के प्रति सचेत रहना चाहिए। आप पूर्णरूपेण उदासीन भाव से अपने पति से सम्बंधित रहेंगी। बल्कि आप उदासीन रहकर अपना पारिवारिक जीवन बिताएंगी।

आप अपना विवाह सुयोग्य पति के साथ करने की प्राथमिकता देंगी ताकि अच्छी सन्तान का उद्भव हो सके। लेकिन आपके लिए उत्तम तो यह है कि अपनी दिनचर्या स्पष्ट रखें तथा अपना घरेलू जीवन, जीवन संगी के लिए आलोचनात्मक न बन सके।

कर्क राशीय प्रवृति के अनुसार आपके स्वभानुकूल वह प्राणी होगा जिसका जन्म मीन अथवा वृश्चिक लग्न राशि में हुआ हो।

आपके किशोरावस्था के लिए रोजगार, व्यवसाय अथवा अनुकूल पेशा-वृति नौसेना,

सामुदायिक व्यवस्था आयात-निर्यात सिचाई एवं कृषि कार्य उत्तम रहेगा।

संभवतः आपका स्वास्थ्य एवं जीवन अक्षुण नही रहेगा। परन्तु अवस्था की वृद्धि के अनुसार समस्याएँ सुधर कर उत्तम हो जाएगी।

आप सदैव ही चिन्तित एवं कुतुहलयुक्त (घबराहट) रहेंगी। अतः आप इन प्रवृतियों को त्याग कर शान्तिपूर्वक रहे और खान-पान पर नियंत्रण रक्खें। मद्यपान का सर्वथा त्याग करे।

आपको कतिपय रोग जैसे गैसस्टिक, अलसर खाँसी सम्बंधी गड़बड़ी एवं गठिया सन्धिबात रोगादि से रक्षित रहना चाहिए।

आपके लिए रंग पीला, लाला मोतिया एवं सफेद रंग अनुकूल है। यह समझ लें कि रंग हरा एवं ब्लू रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 3 एवं 5 अंक आपकी उपयोगिता के प्रतिकूल है। अस्तु इनका त्याग करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।